स्वर्ग कहाँ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

स्वर्ग एक ऐसी वास्तविकता है जो हमारी समझ से परे है। यह केवल किलोमीटर या मील जैसी भौतिक दूरी से मापा जाने वाला स्थान नहीं है, बल्कि एक आध्यात्मिक क्षेत्र है जो हमारे वर्तमान अनुभव और समझ से परे है।

हम अपने वर्तमान शरीर—जो मांस और रक्त से बने हैं—में स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सकते। प्रेरित पौलुस ने इसे स्पष्ट रूप से कहा है:

“भाइयों, मैं आपको यह कहता हूँ कि मांस और रक्त परमेश्वर के राज्य में भाग नहीं ले सकते, और नाशवान अमर को प्राप्त कर
सकता है।”
— 1 कुरिन्थियों 15:50

इसका अर्थ है कि हमारा प्राकृतिक, नश्वर शरीर स्वर्गीय जीवन के लिए उपयुक्त नहीं है। स्वर्ग में प्रवेश पाने के लिए हमें एक नए, महिमामय रूप में बदलना होगा, जैसे देवदूत या पुनर्जीवित प्राणी। यीशु ने इसे निकोदेमुस को समझाया:

“मैं तुम्हें सच-सच कहता हूँ, कोई भी जल और आत्मा से जन्म लिए

स्वर्ग कहाँ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बिना परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। जो मांस
से जन्म लेता है, वह मांस है; और जो आत्मा से जन्म लेता है, वह आत्मा है।”
— यूहन्ना 3:5-6

जैसे कोई जानवर पृथ्वी के ऊपर मानव निर्मित उपग्रह तक नहीं पहुँच सकता, वैसे ही हम भी अपनी प्राकृतिक शक्ति से स्वर्ग नहीं पहुँच सकते। केवल आध्यात्मिक पुनर्जन्म और परिवर्तन के माध्यम से ही हम उस पवित्र स्थान में जा सकते हैं जहाँ परमेश्वर और उनके देवदूत रहते हैं।

यह परिवर्तन परमेश्वर की कृपा का परिणाम है, जो यीशु मसीह में विश्वास के माध्यम से संभव होता है। यीशु हमारे लिए स्वर्ग में स्थान तैयार कर रहे हैं:

“मेरे पिता के घर में कई स्थान हैं; यदि ऐसा न होता तो क्या
मैं तुमसे कहता, कि मैं तुम्हारे लिए स्थान तैयार करने जा
रहा हूँ?”
— यूहन्ना 14:2-3

तब तक, हमें विश्वास के साथ जीवन जीना चाहिए, उस दिन की

स्वर्ग कहाँ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

प्रतीक्षा करते हुए जब हमारे शरीर नवीनीकृत होंगे और हम परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन के योग्य बनेंगे।

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दे

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp